सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 178 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 2 अगस्त, 2025
मूल्य ₹ 3/-

कठिन समय में भी अपने लक्ष्य को मत छोड़िए और विपत्ति को अवसर में बदलिए।
-धीरूभाई अंबानी

सेना में ज्यादा रन बनाने वाले राहुल दूसरे... 7 | भाजपा को लग रहे झटके पर... 3 | शिक्षा का अधिकार कोई नहीं... 2

जेल की सलाखों के पीछे जाएगा प्रज्वल रेवन्ना

» अब तो जेल की रोटी खानी ही पड़ेगी

» पहले यौन उत्पीड़न करता था फिर उसके वीडियो बना कर रखता था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कभी जनता दल (सेक्युलर) का युवा चेहरा कहे जाने वाले प्रज्वल रेवन्ना के भग्य का फैसला हो गया। न कोई भाषण, न कोई माइक, जेड प्लस का सुरक्षा चक्र भी नहीं आखिरकार सच की हथकड़ियाँ उसकी कलाइयों तक पहुंच गईं और एक बार फिर सिद्ध हो गया कि अपराधी चाहे जितना हाई प्रोफाइल हो कानून के हाथों से बच नहीं सकता।

पूर्व प्रधानमंत्री के पोते प्रज्वल रेवन्ना का पतन

यौन उत्पीड़न मामले में दोषी करार

वीडियो जो सबूत बने

प्रज्वल रेवन्ना का केस कोई छोटा मोटा केस नहीं था। पूर्व प्रधानमंत्री का पोता और पूर्व मुख्यमंत्री का बेटा। लेकिन कहते हैं कि अपराधी जब अपराध करता है तो सबूत जरूर छोड़ता है। प्रवज्ल ने भी यही किया। उसने यौन शोषण करते समय पीड़िताओं को डाराने के लिए उनके वीडियो अपने मोबाइल फोन में सेव करके रखे। प्रज्वल पर जब आरोप लगे और उसकी जांच शुरू हुई तो जांच करने वालों के पैरो तले जमीन खिसक गयी। अपराध इतने ज्यादा थे कि प्रज्वल के खिलाफ एसआईटी ने 1600 पन्नों की चार्जशीट अदालत में रखी। अदालत में 118 सबूत रखे गये और 26 गवाहों के बयान दर्ज किये गये। वीडियो क्लिप्स, सीसीटीवी फुटेज, मेडिकल रिपोर्ट, और ऊपर से खुद पीड़िता के बयान सबने मिलकर सत्ता के इस मजबूत पिलर को गिरा दिया। यह मामला 28 अप्रैल 2024 की शिकायत से शुरू हुआ।

अब हर दिन संघर्ष के

वंशवाद की राजनीति में बिना संघर्ष के नेता बने प्रवज्ल को अब हर दिन संघर्ष का पर्याय बनकर जेल में जीना होगा। देवेगौड़ा परिवार के लिए आज का दिन जीवन का सबसे काला और शर्मनाक अध्याय बन गया है। जिस वंश की नींव उन्होंने रखी थी आज उसका नाम यौन शोषण के आरोप में मीडिया की हेडलाइन बना हुआ है।

सनकी यौन उत्पीड़क, 2 हजार से ज्यादा अश्लील वीडियो मिले थे मोबाइल में

एमपी/एमएलए स्पेशल कोर्ट ने सुनाया फैसला

एमपी/एमएलए स्पेशल कोर्ट के न्यायाधीश संतोष गजानन भट ने प्रज्वल रेवन्ना को दोषी करार देते हुए उम्र कैद की सजा सुनाई। सजा की सबसे खास बात यह रही कि प्रज्वल ने जो वीडियो पीड़िताओं को डराने के लिए बना कर अपने पास रखे थे वही वीडियो उसका काल बने और सबूत के तौर पर उसे सजा दिलाने में सहायक साबित हुए।

48 वर्षीय घरेलू मेड के साथ किया था बलात्कार

जिस मामले में प्रज्वल रेवन्ना को सजा दी गयी है वह हासन के गन्निकाडा गेस्ट हाउस में रेवन्ना परिवार की 48 वर्षीय महिला मेड के यौन शोषण से जुड़ा है। प्रज्वल ने इस कृत्य को अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड भी किया था। एसआईटी ने प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 (2) (के) के तहत एक महिला पर प्रभुत्व रखने और उसके साथ बलात्कार करने के लिए और 376 (2) (एन) के तहत एक ही महिला के साथ बार-बार बलात्कार करने के लिए, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 ई और अन्य अपराधों के तहत आरोप पत्र दायर किया था। प्रज्वल रेवन्ना कई महिलाओं के यौन उत्पीड़न को दर्शाने वाले 2000 से अधिक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया सहित ऑनलाइन प्रसारित होने के बाद दर्ज किए गए चार मामलों में मुख्य आरोपी हैं। प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ पहली शिकायत अप्रैल 2023 में दर्ज की गई थी। प्रज्वल पर अभी तीन और अलग-अलग मामलों में सजा मिलना बाकी है।

वोटर लिस्ट में मेरा नाम ही नहीं : तेजस्वी

» राजद नेता ने आयोग के डेटा पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में इन दिनों मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम तेजी से चल रहा है। चुनाव आयोग ने एसआईआर के तहत वोटर लिस्ट का पहला ड्राफ्ट कल (शुक्रवार को) जारी किया है. मतदाताओं को एक महीने का समय दिया गया है ताकि वो इस दौरान इस लिस्ट में अपने नाम को लेकर किसी तरह का दावा या सुधार कराने चाहें तो वो करा सकें। एसआईआर के पहले ड्राफ्ट को लेकर अब बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने इसे लेकर कहा है कि चुनाव आयोग के इस पहले ड्राफ्ट में तो मेरा नाम भी नहीं है।

बिना नोटिस के 65 लाख लोगों के नाम काटे

तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि आयोग ने 65 लाख लोगों के नाम काटे हैं, तो क्या आयोग के द्वारा इन लोगों को नोटिस दिया गया है। चुनाव आयोग ने क्या इनको समय दिया है। इस ड्राफ्ट को देखने के बाद ये साफ दिख रहा है कि आयोग टारगेटेड काम कर रहा है। हम आयोग से ये जानना चाहते हैं कि वह पारदर्शिता क्यों नहीं रख पा रही है। मेरे साथ काम करने वाले कई मेरे स्टाफ का नाम भी इस लिस्ट में नहीं है।

झूठ है सब : मालवीय

भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा कि तेजस्वी यादव का यह दावा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद मतदाता सूची से उनका नाम गायब है, झूठा है। उनका नाम क्रमांक 416 पर है। गलत सूचना को बढ़ावा देने से पहले कृपया तथ्यों की पुष्टि कर लें। मतदाताओं को गुमराह करने के जानबूझकर किए जा रहे प्रयासों का पर्दाफाश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों पर मचा घमासान

» केरल के सीएम ने भाजपा सरकार को घेरा

» केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने विवादास्पद 'द केरल स्टोरी' को पुरस्कार देने पर की निंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन व विप विपक्ष के नेता ने को सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित 'द केरल स्टोरी' को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार देने के फैसले की तीखी आलोचना की और निर्णायक मंडल पर भारतीय सिनेमा की गौरवशाली परंपरा के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया।

यह अस्वीकार्य है : सतीसन

अपने बयान में सतीसन ने कहा कि फिल्म 'द केरल स्टोरी' को केवल धार्मिक घृणा फैलाने के इरादे से पुरस्कार दिया गया है। उन्होंने कहा, यह अस्वीकार्य है।

विस में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीसन ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार अपने घृणा अभियान के तहत राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का इस्तेमाल कर रही है।

शिक्षा का अधिकार कोई नहीं छीन सकता : अखिलेश

» बोले- स्कूलों के विलय पर सरकार का नया आदेश पीडीए पाठशाला की जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर करारा वार करते हुए कहा कि शिक्षा का अधिकार कोई नहीं छीन सकता। प्राइमरी स्कूलों को बंद करने जा रही भाजपा सरकार का नया फरमान उसकी शिक्षा विरोधी नीति की नैतिक हार है। यह पीडीए पाठशाला आंदोलन की जीत है।

अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार ने आठ साल में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। भाजपा सरकार साजिश के तहत पीडीए और गरीबों को शिक्षा से दूर करना चाहती है। समाजवादी लोग भाजपा की शिक्षा विरोधी षड्यंत्रकारी नीति को सफल नहीं होने देंगे। हम बच्चों के शिक्षा के अधिकार को किसी को छीनने नहीं देंगे।सपा अध्यक्ष ने कहा कि पूरे प्रदेश में समाजवादियों की ओर से शुरू की गई पीडीए पाठशाला को छात्रों और अभिभावकों से मिल रहे भारी जनसमर्थन से भाजपा सरकार घबरा गई है। इसी के चलते सरकार बैकफुट पर है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार समाज को पीछे ले जाना चाहती है। तरह-तरह के अवरोध खड़ा कर बच्चों को शिक्षा से दूर कर रही है। समाजवादी पार्टी इसे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी।

प्रशासन ने मुलायम सिंह के नाम पर आवंटित बंगले को खाली करने का आदेश दिया

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिला प्रशासन ने पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के नाम पर आवंटित एक सरकारी बंगले का आवंटन रद्द कर दिया और समाजवादी पार्टी (सपा) को 30 दिनों के भीतर परिसर खाली करने को कहा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय (पीटीसी) के निकट सिविल लाइंस इलाके में स्थित यह बंगला 31 साल पहले आवंटित किया गया था। छावनी गांव में नजूल भूमि पर लगभग 1000 वर्ग मीटर में फैला यह बंगला वर्तमान में स्थानीय सपा कार्यालय है। जिलाधिकारी अनुज सिंह ने जनहित और प्रशासनिक आवश्यकताओं का हवाला देते हुए कहा कि यह संपत्ति सरकारी उद्देश्यों के लिए आवश्यक है , जिसमें अधिकारियों के आवास और विकास योजनाओं के कार्यान्वयन शामिल हैं। उन्होंने बताया, चूंकि इस जमीन पर राज्य सरकार का स्वामित्व है इसलिए किसी राजनीतिक दल द्वारा इसका निरंतर उपयोग अब उचित नहीं है।अपर जिलाधिकारी (वित्त) ममता मालवीय ने समाजवादी पार्टी (सपा) के मुरादाबाद जिला अध्यक्ष को एक औपचारिक नोटिस जारी कर एक महीने के भीतर बंगला खाली कर जिला प्रशासन को कब्जा सौंपने का निर्देश दिया है। इस बीच, सपा नेता जयवीर सिंह यादव ने इस कदम का विरोध किया और कहा कि पार्टी इस नोटिस को अदालत में चुनौती देगी।

भाजपा ने कहा समाजवादी ब्रेनवॉश नहीं होने देंगे

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने सहारनपुर में समाजवादी पार्टी द्वारा शुरू की गई 'पीडीए पाठशाला' में बच्चों को 'ए फॉर अखिलेश यादव' और 'डी फॉर डिंपल यादव' जैसे पाठ पढ़ाने की की निंदा की है। उन्होंने इसे बच्चों की कोमल चेतना में राजनीतिक विष घोलने की साजिश करार देने के साथ इसे शिक्षा नहीं, समाजवादी ब्रेनवॉश करार दिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बच्चों की शिक्षा को राजनीति की प्रयोगशाला नहीं बनने दिया जाएगा और इस विकृत मानसिकता के खिलाफ हर मंच पर लड़ाई लड़ी जाएगी। सपा जब सत्ता में थी, तब भी उसने बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया था। अपने राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए सपा इस हद तक गिर चुकी है कि अब वह बच्चों को ऐसा पाठ पढ़ा रही है। इसमें भी उनकी सोच परिवार से आगे नहीं बढ़ पाई। उन्हें सच में बच्चों के भविष्य की चिंता होती तो महापुरुषों के बारे में पढ़ाते। सपा का मूल चरित्र ही झूठ बोलना और स्वांग रचकर लोगो को भ्रमित करने का है।

भाजपा के इशारे पर काम कर रहे कुलपति : टीएमसी

बंगाल सरकार ने सीयू से परीक्षा तिथि बदलने को कहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कलकत्ता विश्वविद्यालय (सीयू) की कार्यकारी कुलपति संता दत्ता ने बताया कि पश्चिम बंगाल सरकार ने 28 अगस्त को होने वाली स्नातक कानून परीक्षा की तिथि बदलने का आग्रह किया है क्योंकि यह तिथि तृणमूल छात्र परिषद (टीएमसीपी) के स्थापना दिवस के दिन पड़ रही है।

टीएमसी कह रही है कुलपति भाजपा के इशारे पर काम कर रह हैं। उच्च शिक्षा विभाग के एक वरिष्ठ विशेष सचिव द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में अनुरोध को उचित ठहराते हुए कहा गया है कि परीक्षा की तिथि बदलना अधिकतर छात्रों के हित में होगा। हालांकि दत्ता ने कहा, ''मैं दबाव में परीक्षा तिथि नहीं बदलूंगी। निर्णय मेरे अकेले का नहीं है। जल्द ही विश्वविद्यालय की आपात बैठक बुलाकर सामूहिक निर्णय लिया जाएगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह पत्र किसी राजनीतिक दल के पक्ष में है और विश्वविद्यालय की स्वायत्तता को ठेस पहुंचाता है।

उन्होंने कहा कि परीक्षा तिथि पहली से ही निर्धारित थी और किसी छुट्टी से नहीं टकरा रही थी। तृणमूल नेताओं ने कुलपति पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया, जबकि दत्ता ने कहा कि परीक्षा तिथि बदलने का दबाव छात्र राजनीति और शासन के अस्वस्थ मेल को दर्शाता है।

बिहार में अकेले चुनाव लड़ेंगे : ओपी राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ओम प्रकाश राजभर एक भारतीय राजनीतिज्ञ और सुभसपा के अध्यक्ष हैं। वे उत्तर प्रदेश के जहूराबाद निर्वाचन क्षेत्र से 18वीं उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य हैं।

ओम प्रकाश राजभर भारतीय राजनीति के सामान्य पर्यवेक्षकों के लिए कोई जाना-पहचाना नाम नहीं हैं। फिर भी, राजभर दो बार विधायक और उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री हैं, जिन्हें कई लोग एक मुखर व्यक्तित्व और पूर्वी उत्तर प्रदेश के एक प्रभावशाली ज़मीनी नेता के रूप में जानते हैं। और अब वह अपना ध्यान पूर्व की ओर, बिहार की ओर मोड़ रहे हैं। सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने कहा है कि अगर भाजपा के नेतृत्व वाले राजग के साथ सीटों के बंटवारे पर बात नहीं बनती है, तो उनकी पार्टी आगामी बिहार चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ने के लिए तैयार है।

भाजपा और आप दोनों ने सफाई कर्मचारियों की उपेक्षा की : देवेन्द्र

» एमसीडी के सफाई कर्मचारियों से मिले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एमसीडी के सफाई कर्मचारियों के नियमितीकरण समेत विभिन्न मांगों को लेकर समस्त यूनियन कोर कमेटी ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव से मुलाकात की। बैठक में पूर्व मंत्री डॉ. नरेंद्र नाथ, वरिष्ठ नेता डॉ. पीके मिश्रा और यूनियन के प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे।

यूनियनों ने मांग रखी कि 20-25 वर्षों से कार्यरत सफाई कर्मचारियों को अब तक पक्का नहीं किया गया है। उन्हें न तो स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं और न ही कोई कैशलेस सुविधा। देवेंद्र यादव ने आश्वासन दिया कि कांग्रेस के पार्षद सदन में इन मांगों को प्रमुखता से उठाएंगे और कर्मचारियों को नियमित कराने के लिए महापौर पर दबाव बनाया जाएगा। उन्होंने भाजपा और आप दोनों पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्षों से सत्ता में रहते हुए भी इन पार्टियों ने सफाई कर्मचारियों की उपेक्षा की है। उन्होंने फरवरी 2025 में घोषित 12000 कर्मचारियों के नियमितीकरण के निर्णय को आज तक लटका हुआ बताया और कहा कि मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को करुणामूलक आधार पर तुरंत पक्का किया जाए। साथ ही पुरानी पेंशन बहाली, रिटायरमेंट बकाया भुगतान और स्वास्थ्य सुविधाओं को भी जल्द लागू करने की मांग की।

बामुलाहिजा

कार्टून : हसन जैदी

धारा-370 के बाद भी सेफ नहीं कश्मीर : दुष्यंत चौटाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हिसार। ऑपरेशन सिन्दूर पर हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री और नेता दुष्यंत चौटाला ने कहा बीते 48 घंटों में ऑपरेशन सिन्दूर और पहलगाम हमले पर काफी बहस हुई है। बड़े तथ्य लोगों ने रखे। जिस तरह सरकार ने जवाब दिया उससे पता लगता है कि सरकार पूरी बात को बता नहीं पाई।

सरकार नहीं दे रही जवाब

इसमें सबसे महत्वपूर्ण अमेरिका ने युद्ध विराम की घोषणा क्यों की इस पर सरकार का कोई स्पष्ट जवाब नहीं आया। इससे साफ होता है कि सरकार पर उस समय कोई न कोई दबाव था दुष्यंत चौटाला ने कहा पहलगाम में हमले के वक्त हमारे जवान तैनात क्यों नहीं थे। इस सवाल का जवाब भी सरकार नहीं दे पाई। धारा-370 हटाने के बाद देश के प्रत्येक नागरिक को कहा जाता था कि कश्मीर सेफ है यहां से आतंकवाद खत्म हो चुका है। लेकिन धारा-370 हटने के बाद जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद की घटनाएं बढ़ी हैं। गौरतलब है कि इस साल 22 अप्रैल को 26 पर्यटकों की पहगाम में आतंकियों ने निर्मम हत्या की थी। इस आतंकवादी घटना के बाद पूरे देश में रोष था।

भाजपा को लग रहे झटके पर झटके

तमिलनाडु में एनडीए की आसान नहीं है राह

- कई राज्यों ने अपने ही छोड़ रहे हैं साथ
- बिहार में भाजपा को पीके से खतरा!
- उत्तराखंड में पंचायत चुनाव में पिछड़ी बीजेपी
- जन सुराज में शामिल हुए बीजेपी नेता सुधीर कुमार शर्मा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार में इस साल और तमिलनाडु में अगले साल चुनाव हैं। पर इन राज्यों में अभी से सियासी हलचल शुरू हो गई है। जहां कुछ राजनीतिक दलों के नेता पुरानी पार्टियों को छोड़कर नए ठिकाने तलाशने लगे हैं। सबसे ज्यादा झटका केंद्र में काबिज भारतीय जनता पार्टी को लग रहा है। जहां बिहार उसके कई बड़े नेता उसका साथ छोड़कर राजद व पीके का हाथ थाम रहे हैं। वहीं तमिलनाडु में दिग्गज नेता पनीर सेल्वम ने एनडीए से बाहर निकलने की घोषणा कर दी है। सबसे बड़ी परेशानी तो भाजपा को उत्तराखंड में आने वाली है वहां पर हुए पंचायत चुनावों निर्दलीय व कांग्रेस उसको मात देकर आगे बढ़ रही है।

जैसे-जैसे बिहार विधानसभा का चुनाव नजदीक आ रहा है नेताओं के दल-बदल का खेल भी शुरू हो गया है। बीजेपी के पुराने और कद्दावर नेता सह पूर्व प्रदेश महामंत्री रहे सुधीर कुमार शर्मा ने शुक्रवार को प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज का दामन थाम लिय। उनके साथ कई जिलों के दर्जनों नेता और कार्यकर्ता भी पार्टी में शामिल हुए। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय कुमार सिंह और संस्थापक प्रशांत किशोर ने सदस्यता दिलाई। इस मौके पर बीजेपी से आए नेताओं-कार्यकर्ताओं को प्रशांत किशोर ने धन्यवाद दिया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीके ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव पर भी जमकर निशाना साधा। दरअसल चुनाव प्रचार के लिए जेडीयू ने हरियाणा से पीले रंग की बस मंगवाई है। रंग पीला है तो उसको लेकर प्रशांत किशोर ने कहा कि अब लोग मेरे रंग की कॉपी कर रहे हैं. उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि नीतीश कुमार जी मेरी पार्टी के सांकेतिक रंग की गाड़ी से घूमेंगे, लेकिन नीतीश कुमार पीले रंग के रथ से घूमेंगे तो लोग यह समझेंगे कि नीतीश कुमार ने भी मान लिया है कि जेडीयू के आगे का भविष्य जन सुराज ही है मैंने पहले भी कहा है कि नवंबर के बाद जेडीयू के जितने भी नेता कार्यकर्ता हैं उनका रास्ता कहीं और नहीं है,

बीजेपी से नाराज थे ओ पन्नीरसेल्वम?

तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम ने हाल ही में पीएम मोदी को पत्र लिखकर उनसे औपचारिक मुलाकात के लिए समय मांगा था। उन्हें मिलने का समय नहीं दिया गया। बताया जा रहा है कि इस बात से वह नाराज थे। इसके बाद उन्होंने सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) के फंड के वितरण में देरी को लेकर सोशल मीडिया के माध्यम से केंद्र सरकार पर निशाना साधा था।

पीएम मोदी से मिले पलानीस्वामी

एआईडीएमके महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी (ईपीएस) ने बीते दिनों तिरुचिरापल्ली हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ करने के लिए तमिलनाडु के दो दिवसीय दौरे पर हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, थूथुकुडी में कार्यक्रम के बाद, विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत के लिए तिरुचिरापल्ली पहुँचे। कल गंगईकोंडा चोलपुरम में होने वाले कार्यक्रम की प्रतीक्षा है। पोस्ट में, एक तस्वीर ने यह सवाल खड़ा कर दिया कि क्या एआईडीएमके और भाजपा गठबंधन करने जा रहे हैं या नहीं। एआईडीएमके और भाजपा के बीच गठबंधन के नवीनीकरण के बाद ईपीएस और प्रधानमंत्री मोदी पहली बार मिल रहे हैं। यह मुलाकात 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले सहयोगियों के बीच चल रही वाकयुद्ध के बीच हुई। इससे पहले, ईपीएस ने भाजपा के साथ गठबंधन सरकार की संभावना से इनकार किया था और कहा था, हमारा गठबंधन 2026 में शानदार सफलता हासिल करेगा। एआईडीएमके विजयी होगी और अपने दम पर सरकार बनाएगी।यह बयान अमित शाह के उस साक्षात्कार के विपरीत है जिसमें उन्होंने कहा था कि तमिलनाडु में एआईडीएमके के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन सरकार बनाएगा।हाल ही में, ईपीएस ने फिर से पुष्टि की कि उनकी पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। उधर स्टालिन का दावा है कि डीएमके गठबंधन 200 सीटें जीतेगा।

स्टालिन से मुलाकात के बाद गठबंधन से बाहर हुए पन्नीरसेल्वम

तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) के नेतृत्व वाली एआईएडीएमके कैडर राइट्स रिट्रीवल कमेटी ने गुरुवार (31 जुलाई 2025) को बीजेपी की अगुआई वाली एनडीए से नाता तोड़ लिया। उन्होंने मॉर्निंग वॉक के दौरान मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात के कुछ घंटों बाद यह कदम उठाया। तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं. ऐसे में एनडीए का साथ छोड़ने के बाद अब राज्य की राजनीति में नए समीकरण बनने के संकेत मिल रहे हैं। तमिलनाडु के पूर्व मंत्री और पन्नीरसेल्वम के करीबी पनरुट्टी एस रामचंद्रन ने एनडीए से अलग होने की घोषणा की. उन्होंने कहा कि हमारा ग्रुप बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ अपना गठबंधन तोड़ रहा है। उस समय पूर्व सीएम पन्नीरसेल्वम भी वहां मौजूद थे।

उत्तराखंड पंचायत चुनाव में बीजेपी से आगे निकले कांग्रेस और निर्दलीय

उत्तराखंड में जिला पंचायत की सीटों पर भारतीय जनता पार्टी पिछड़ती हुई दिखाई दे रही है। 358 सीटों में से भारतीय जनता पार्टी ने 115 सीटों पर जीत दर्ज की है जबकि बाकी बची सीटों पर कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशियों ने दबदबा बनाया हुआ है. 358 सीटों में से 352 सीटों का रिजल्ट राज्य निर्वाचन आयोग घोषित कर चुका है। उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए बृहस्पतिवार सुबह शुरू हुई मतगणना अब भी जारी है. राज्य निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम सारकोट, चमोली से 21 वर्षीय प्रियंका नेगी को ग्राम प्रधान चुने जाने पर सीएम धामी ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं. उन्होंने कहा है कि आपका इस पद पर निर्वाचित होना न केवल सशक्त लोकतंत्र को दर्शाता है, बल्कि मातृशक्ति की शक्ति और युवाओं की क्षमता का भी प्रतीक है. निश्चित तौर पर हम साथ मिलकर सारकोट गांव का सर्वांगीण विकास व प्रगति सुनिश्चित करेंगे और आदर्श ग्राम सारकोट की ही तर्ज पर राज्य के अन्य गावों का भी विकास किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी से लैंसडाउन के विधायक दिलीप रावत की पत्नी नीतू देवी पौड़ी गढ़वाल के जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ा था। नीतू पंचायत सदस्य का चुनाव नहीं जीत पाईं। जिला पंचायत सदस्यों का 358 में से 7 सीटों का परिणाम घोषित हुआ जब कि शेत्र पंचायत सदस्यों की 2974 सीटों में से 328 सीटों का परिणाम घोषित हुआ जब की प्रदेश में ग्राम पंचायत की 7499 सीटों में से अब तक 1984 सीटों का परिणाम घोषित हो चुका है।

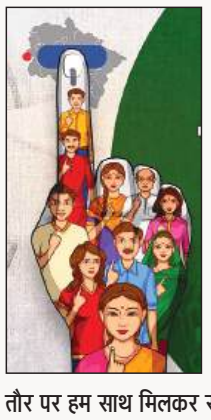

सबको पीले रंग में रंगना है : पीके

उधर दूसरी ओर तेज प्रताप यादव इन दिनों पीले रंग की टोपी पहने घूम रहे हैं। प्रशांत किशोर ने इसको लेकर कहा कि पीला रंग विष्णु का होता है, इसलिए हमने पीले रंग का चयन किया था। इस्लाम में भी पीले रंग का विशेष महत्व है। पीले रंग में सबको रंगना है, लेकिन हर पीला रंग सोना नहीं हो जाता है। अब गांव-गांव में पीले रंग का मतलब लोग जन सुराज पार्टी समझ रहे हैं।

एक्टर विजय की पार्टी के साथ गठबंधन करेंगे ओपीएस

एस रामचंद्रन ने आगे कहा कि ओपीएस 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले जल्द ही पूरे राज्य का दौरा करेंगे. उन्होंने आगे कहा,फिलहाल किसी भी पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं है. चुनाव करीब आने पर गठबंधन पर फैसला लेंगे। पन्नीरसेल्वम ने एक्टर विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के साथ हाथ मिलाने की संभावना से इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा, समय बताएगा कि हम किसके साथ हाथ मिलाएंगेअभी चुनाव होने में समय है। ओपीएस एआईएडीएमके के प्रमुख नेता रह चुके हैं। पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर लंबी खींचतान के बाद उन्होंने अपना एक अलग ग्रप बना लिया था।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

एआई के दुष्प्रभाव के करने होंगे उपाय

अब जबकि एआई का प्रयोग प्रचलन में तेजी से आने लगा है और बड़ी-बड़ी कंपनियां इसको उपयोग में लाने लगी हैं ऐसे में इससे रोजगार की कमी झेल रहे देश में बेरोजगारी एक ओर समस्या रूप में आ सकती है। टीसीएस ने हाल ही में अपने वैश्विक कार्यबल में लगभग 2प्रतिशत (करीब 12,000-12,261) कर्मचारी निकालने की घोषणा की है, जो मध्य और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को अधिक प्रभावित करेगी।

कहां तो एआई से लाभ की बातें हो रही थी। अब वह लोगों के लिए नुकसान पहुंचाने लगा है। बता दें कि भारत की एक बड़ी कंपनी ने अपने कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। पड़ताल में पता चला है कि एआई की तकनीकि अपनाने से ये फैसला लिया जा रहा है। ये तो एआई एक पहलू है दूसरा पहलू इसका कुछ दिन पहले देखने को मिला था जब इसका प्रयोग डीपफेक बनाने में किया गया था जिसमें सचिन तेंदुलकर जैसे बड़े-बड़े लोगों की तस्वीर का प्रयोग किया गया था। बाद में कुछ लोगों को इसके लिए दोषी पाने पर सजा भी मिली थी उसके बाद एआई पर एक वृहत नीति बनाने की चर्चा हुई थी। पर ये चर्चा कागजों में गोते खा रही है। अब जबकि एआई का प्रयोग प्रचलन में तेजी से आने लगा है और बड़ी-बड़ी कंपनियां इसको उपयोग में लाने लगी हैं ऐसे में इससे रोजगार की कमी झेल रहे देश में बेरोजगारी एक ओर समस्या रूप में आ सकती है।

टीसीएस ने हाल ही में अपने वैश्विक कार्यबल में लगभग 2प्रतिशत (करीब 12,000-12,261) कर्मचारी निकालने की घोषणा की है, जो मध्य और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को अधिक प्रभावित करेगी। हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में इसे एआई चालित तकनीकी बदलावों का नतीजा बताया जा रहा है, लेकिन कंपनी के सीईओ ने स्पष्ट किया है कि यह मूलत: स्किल मिसमैच की वजह से किया जा रहा है, न कि सीधे एआई द्वारा ऑटोमेशन की वजह से। हम आपको बता दें कि टीसीएस ने कहा है कि यह ,एआई की वजह से नहीं है बल्कि यह कर्मचारी की स्किल्स और कंपनी की डिमांड के बीच असंगति की वजह से है। इसके तहत नई तकनीक के क्षेत्रों में निवेश, नए बाजारों में प्रवेश, ग्राहकों और स्वयं के लिए बड़े पैमाने पर एआई का उपयोग, साझेदारियों को मजबूत करना, अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे का निर्माण और अपने कार्यबल मॉडल को पुनर्गठित करने पर ध्यान दिया जाएगा। यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि क्या एआई नौकरियां छीन रहा है? इसके बारे में विश्लेषकों की राय है कि ,एआई लेड और बदलती बिजनेस डिमांड के चलते आईटी कंपनियों को अपनी संरचना बदलनी पड़ रही है। इसलिए, सीधे एआई के कारण नौकरी चली गई, ऐसा कहना ठीक नहीं होगा। बल्कि यह टेक्नोलॉजी परिवर्तन, मांग में गिरावट और स्किलिंग की कमी का मिश्रित परिणाम है। वैश्विक परिदृश्य को देखें तो अनुमान है कि दुनिया भर में 300 मिलियन पूर्णकालिक नौकरियां एआई और ऑटोमेशन से प्रभावित हो सकती हैं। 2030 तक 92 मिलियन नौकरियां खत्म हो सकती हैं, लेकिन 170 मिलियन नई नौकरियां भी पैदा हो सकती हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कानून को लैंगिक भेदभाव से मुक्त करने की पहल

क्षमा शर्मा

हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसला दिया। इसमें कहा गया कि 498ए के अंतर्गत शिकायत के आधार पर दो महीने तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। इस दो महीने को शांति काल कहा गया है। इस दौरान पूरा मामला परिवार कल्याण समिति के पास जाएगा। कमेटी पूरे मामले को सुनेगी। परिवार में समझौता कराने का भी प्रयास करेगी। न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा जारी गाइड लाइंस पर भी सहमति जताई। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 498ए के दुरुपयोग को रोकने के लिए परिवार कल्याण समितियों को बनाने के दिशा-निर्देश जारी किए थे। इन्हें सम्बंधित अधिकारियों द्वारा लागू किया जाएगा। अब इसी आधार पर परिवार कल्याण समितियां दो महीने तक पति-पत्नी से बातचीत करेंगी और मसले को सुलझाने के प्रयास किए जाएंगे। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक पुलिस अधिकारी की दहेज प्रताड़ना के खिलाफ शिकायत पर यह फैसला दिया था।

इस मामले में महिला के ससुर और पति को लम्बे समय तक जेल में रहना पड़ा था। जब कि उनके खिलाफ कोई आरोप साबित नहीं हुए थे। अदालत ने उक्त महिला पुलिस अधिकारी से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने को भी कहा था। अब इस अधिकारी ने कई अखबारों में माफीनामा छपवाया है। अरसे से इस धारा के भारी पैमाने पर दुरुपयोग की खबरें आती रही हैं। कुछ साल पहले सेव इंडियन फैमिली संस्था ने दहेज निरोधी धारा 498ए पर एक सर्वे किया था। पता चला कि इस धारा के कारण हर इक्कीसवें मिनट पर एक महिला पकड़ी जा रही है। कारण बताया गया कि अकसर ससुराल से सम्बंधित दूर-दराज की स्त्रियों, तक के नाम अपराधियों के रूप में लिखवा दिए जाते हैं। जैसे ही किसी पर आरोप लगते हैं, उन्हें पकड़ लिया जाता है। दूसरे पक्ष की कोई सुनवाई भी नहीं होती। एक बार उच्चतम न्यायालय के एक वरिष्ठ न्यायाधीश महोदय ने इस धारा को लीगल टैररिज्म या कानूनी आतंकवाद भी कहा था।

जो कानून स्त्रियों को न्याय देने के लिए बना था, वह उन्हें ही सताने लगा। 498डाट ओआरजी पर ऐसी घटनाएं पढ़कर परेशान हुआ जा सकता है। इस संस्था ने ऐसी सौ कहानियां बताई थीं, जहां पत्नियों की शिकायत पर पति और उनके परिवारों को पकड़ लिया गया। उन्हें वर्षों तक तरह-तरह की कठिनाइयां झेलनी पड़ीं। इन कहानियों में सिर्फ भारतीय ही नहीं अमेरिका, ब्रिटेन, आयरलैंड, आस्ट्रेलिया, कनाडा, इंडोनेशिया,

अबूधाबी आदि देशों में रहने वाले भारतीय भी शामिल हैं। कई बार तो जो लोग मौके पर उपस्थित नहीं होते, उन्हें भी आरोपी बना दिया जाता है। इस संस्था के लोगों का कहना है कि बहुत बार स्त्रियां अपनी मांगें पूरी न होने पर, विवाह के न चल पाने पर, विवाहेत्तर सम्बंधों, जमीन-जायदाद के मामलों में ऐसे आरोप लगा देती हैं। अनेक मामलों में लोगों की नौकरियां चली जाती हैं, उनके माता-पिता का निधन हो जाता है, सारी प्रतिष्ठा धूमिल हो जाती है, लेकिन कानून की इस आफत से वे नहीं छूटते। इस लेखिका को सालों पहले एक फौजी ने उत्तराखंड की जेल से एक पत्र लिखा था। जिसमें बताया था कि वह मोर्चे पर तैनात था। उसकी पत्नी की अपने ससुराल वालों से नहीं बनती थी, इसलिए वह अपने मायके में थी। यह फौजी छुट्टी लेकर, उससे मिलने गया। वहां पत्नी ने उसके और उसके परिवार के खिलाफ दहेज और घरेलू हिंसा के मामले में शिकायत कर दी। उसने लिखा था कि ऐसा कभी नहीं हुआ था। शादी में दहेज तो क्या, एक रुपया भी नहीं लिया गया था, लेकिन पत्नी परिवार के साथ न रहकर अलग रहना चाहती थी। उसकी शिकायत के आधार पर इस व्यक्ति को पकड़ लिया गया। उसने अफसोस के साथ लिखा- अब मैं जेल में हूं। किसी कानून के बारे में जानता भी नहीं। मुझे और मेरे माता-पिता को बिना किसी कारण सजा मिली है। मेरी पत्नी किसी और के साथ रहती है। वह कहती है कि उसे हम सबसे बदला लेना है। समझ में नहीं आता कि क्या करूं। बंगलुरु के इंजीनियर अतुल सुभाष का मसला तो आपको याद ही होगा। उन्होंने वीडियो बनाकर सारी बातें कही थीं और आत्महत्या कर ली थी।

अतुल का कहना था कि वे प्राइवेट सेक्टर में नौकरी करते हैं। इतनी छुट्टियां नहीं मिलतीं लेकिन बार-बार कोर्ट की तारीख पर उन्हें जाना पड़ता है। कहा कि आत्महत्या के लिए न केवल पत्नी बल्कि उसकी मां भी जिम्मेदार है। उस दौर में ऐसे कई और मामले भी सामने आए थे। अफसोस है कि इन दिनों लड़कियों के घर वाले भी उन्हें समझाते नहीं हैं। किसी रिश्ते को निभाने के मुकाबले उसे तोड़ना ज्यादा आसान मान लिया गया है। तमाम सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, नेताओं को ऐसे पत्र मिलते रहते हैं, मगर वे चाहकर भी कुछ नहीं कर पाते। इसीलिए मांग की जाती है कि स्त्री सम्बंधी कानूनों को लैंगिक भेदभाव से मुक्त होना चाहिए, जिससे कि जो भी सताया गया है, चाहे स्त्री या पुरुष, उसे न्याय मिले। कानून का काम किसी एक पक्ष में झुकना न होकर, सभी को न्याय देना है।

दर्पण दिखाता है लोकतांत्रिक मूल्यों का सृजन

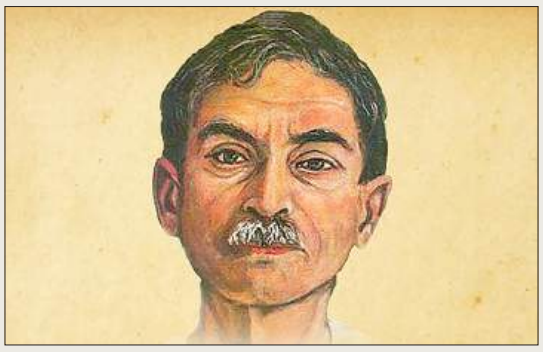

डॉ. रामचंद्र शर्मा

मुंशी प्रेमचंद हिंदी साहित्य के उन महान साहित्यकारों में से हैं, जिन्होंने हिंदी कथा साहित्य की नींव को सशक्त किया व उसे समाज सुधार और यथार्थ की ओर भी मोड़ा। उन्होंने रचनाओं के माध्यम से सामाजिक चेतना, मानवीय संवेदना और यथार्थ की सजीव तस्वीरें प्रस्तुत कीं जो समाज के हाशिए पर खड़े वर्ग को आवाज देती हैं। उनकी अनुभूति का प्रस्फुटन, उनके जन्म स्थान गांव लहमी, शहर बनारस व उत्तर भारत में तत्कालीन समय में घटित घटनाओं से ही है। प्रेमचंद का साहित्य तत्कालीन भारत की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और आर्थिक परिस्थितियों का दर्पण व परिवर्तन की चेतना का प्रेरक था। उन्होंने अपने उपन्यासों, कहानियों, लेखों और निबंधों में शोषित, वंचित, स्त्री, किसान, मजदूर और गरीब वर्ग की दशा और व्यथा को गहनता से उकेरा। प्रेमचंद के विचार आदर्शवाद और यथार्थवाद के सन्तुलन पर आधारित थे।

उन्होंने जातिवाद, छुआछूत, अंधविश्वास, नारी उत्पीड़न, भ्रष्टाचार, गरीबी और शोषण जैसी समस्याओं को उजागर कर न केवल साहित्यिक क्षेत्र में क्रांति की, बल्कि सामाजिक जागरण की भी भूमिका निभाई। प्रेमचंद का साहित्य समाज को दिशा देने में सक्षम है। आज भी जब किसान आंदोलित हैं, महिला अधिकारों को लेकर संघर्ष हो रहा है, सामाजिक न्याय आंदोलन चल रहे हैं, कट्टरता और असहिष्णुता चरम पर है, तब प्रेमचंद का साहित्य हमें संवाद, समरसता और करुणा की ओर लौटने का आह्वान करता है। उनकी 'गोदान' जैसी रचना ग्रामीण भारत के उस शोषण चक्र को उजागर करती है जो जमींदारी से निकलकर अब बाजारवाद के रूप में सामने आया है। 'सेवासदन' जैसी रचना आज के स्त्री-विमर्श की बहस में प्रासंगिक है। प्रेमचंद साहित्य को समाज का अंग व सामाजिक परिवर्तन का माध्यम मानते थे वहीं लेखक के नैतिक उत्तरदायित्व के रूप में देखते थे।

प्रेमचंद का साहित्य समय का दर्पण है व समाज का मार्गदर्शक भी। उनकी लेखनी एक जीवंत चेतना है जो आज भी प्रश्न पूछती है, उत्तर मांगती है और समाज को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करती है। प्रेमचंद का साहित्य सामाजिक विषमता के विरुद्ध संघर्ष का साहित्य है। उन्होंने जात-पात, छुआछूत, अमीरी-गरीबी और वर्ग-भेद जैसी समस्याओं को रेखांकित किया व इनके विरुद्ध चेतना जगाने का कार्य किया। 'गोदान' का होरी, 'कर्मभूमि' का अमरकांत और 'प्रेमाश्रम' के पात्र प्रेमचंद की सामाजिक दृष्टि के जीवंत उदाहरण हैं। उन्होंने अपने पात्रों के माध्यम से स्थापित किया कि समाज तब तक प्रगति नहीं कर सकता जब तक उसमें समान अधिकार, सम्मान और अवसर न हों। वर्तमान में जब वंचित वर्ग अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं; सामाजिक प्रतिनिधित्व और संसाधनों के न्यायपूर्ण वितरण की मांग बढ़ रही है, तब प्रेमचंद का साहित्य सामाजिक न्याय की ओर लौटने की प्रेरणा देता है। प्रेमचंद ने भारतीय ग्रामीण जीवन और किसान की दशा को जिस यथार्थ के साथ अपने उपन्यासों में उकेरा, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

'गोदान' के होरी की व्यथा आज के किसान की भी कहानी है। उस समय का किसान जमींदारी, कर्ज और सामाजिक शोषण का शिकार था, तो आज का किसान आधुनिक पूंजीवादी व्यवस्था, वैश्विक बाजार और सरकारी नीतियों के दोहरेपन से जूझ रहा है। प्रेमचंद किसान व श्रमिक को समाज की रीढ़ व परिवर्तन के वाहक मानते हैं। प्रेमचंद ने रूढ़िवादी सोच को चुनौती देते हुए स्त्रियों को साहित्य में नई पहचान दी। उन्हें दया की पात्र नहीं, बल्कि समाज की निर्माता, नैतिक नेतृत्व की वाहक और परिवर्तन की शक्ति के रूप में चित्रित किया। 'सेवा सदन' की सुमित्रा, 'निर्मला' की पीड़िता और अन्य अनेक पात्र, नारी जीवन के यथार्थ को अभिव्यक्त करते हैं। प्रेमचंद ने नारी शिक्षा, विवाह संस्था की जटिलता, दहेज, विधवा जीवन और स्त्री स्वाधीनता जैसे मुद्दों को साहित्यिक विमर्श का केंद्र बनाया। आज के दौर में जब लैंगिक समानता, महिला सशक्तीकरण जैसे आंदोलन हो रहे हैं, तब प्रेमचंद का स्त्री-पक्षीय दृष्टिकोण प्रासंगिक प्रतीत होता है। प्रेमचंद की दृष्टि में धर्म केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि करुणा, नैतिकता और विवेक का मार्ग है। उन्होंने धर्म की आड़ में किए जाने वाले अंधविश्वास, जातिवाद का विरोध किया। 'कर्मभूमि' के अमरकांत जैसे पात्र धर्म के वास्तविक रूप-न्याय, अहिंसा, और सेवा का अनुसरण करते हैं। आज जब साम्प्रदायिकता और कट्टरता बढ़ रही है, तब प्रेमचंद का समन्वयवादी दृष्टिकोण मार्गदर्शन प्रदान करता है।

प्रेमचंद ने अपने साहित्य में केवल उच्च वर्ग की समस्याओं को नहीं, बल्कि श्रमिक, कारीगर और गरीब वर्ग की पीड़ा, संघर्ष और गरिमा को केंद्र में रखा। उनकी कहानियां - 'ईदगाह', 'शतरंज के खिलाड़ी', 'पूस की रात', 'कफन' - उन पात्रों की गाथा हैं जो सामाजिक, आर्थिक अन्याय के शिकार हैं, परंतु अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करते हैं। आज प्रवासी श्रमिकों की समस्याएं, मजदूरों का शोषण, और न्यूनतम वेतन जैसे विषय चर्चा के केंद्र में हैं, तब प्रेमचंद का श्रमिकों के प्रति दृष्टिकोण सोचने को विवश करता है कि हम कहां तक इन मुद्दों के प्रति ईमानदार हैं। प्रेमचंद के साहित्य में गहरी राष्ट्रवादी चेतना विद्यमान थी। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नैतिक पक्ष को बल दिया। 'रंगभूमि' का सूरदास एक अंधा पात्र होते हुए भी, नैतिक दृष्टि से तेजदर्शी है, जो उपनिवेशवादी सत्ता, बाजारवाद और सांस्कृतिक शोषण के विरुद्ध खड़ा होता है। वर्तमान में भाषा व क्षेत्रवाद जैसे संघर्ष को प्रेमचंद का उदार राष्ट्रवाद, समावेशी और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित साहित्य; दर्पण दिखाने का काम करता है, जिसमें धार्मिक सहिष्णुता, भाषा की समानता, सांस्कृतिक विविधता और आर्थिक न्याय प्रमुख थे।

तेज धूप और गर्मी में शरीर को ऐसे रखें हाइड्रेट

इन दिनों तेज धूप और गर्मी ने सभी को परेशान कर रखा है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जितना जरूरी है पौष्टिक आहार का सेवन करते रहना, उतना ही जरूरी है दिनभर में खूब पानी पीते रहना। पानी पीते रहने से न सिर्फ शरीर से विषैले तत्व बाहर निकलते हैं, साथ ही शरीर ऊर्जावान रहता है और किडनी स्टोन जैसी समस्याओं का जोखिम कम होता है। हर व्यक्ति के शरीर में पानी की जरूरत उसके काम और गर्मी के संपर्क में रहने की अवधि पर निर्भर करती है। आमतौर पर एक स्वस्थ व्यक्ति को प्रतिदिन 2.5 से 3 लीटर पानी या तरल पदार्थ पीने की सलाह दी जाती है। प्रति किलो वजन के हिसाब से 40 से 50 मिलीलीटर तरल पदार्थ का सेवन जरूरी है। अगर आप बहुत ज्यादा पसीना बहा रहे हैं, तो 500 मिलीलीटर से 1 लीटर अतिरिक्त तरल पदार्थ लेना चाहिए।

फल और हरी शब्जी

फलों और सब्जियों में भी पानी मौजूद होता है, ये भी हाइड्रेशन में योगदान देती हैं। आप उन्हें भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। गर्मी के दिनों में स्ट्रॉबेरी, खरबूजा, अनानास, संतरा, पपीता, ककड़ी और टमाटर जैसी चीजें बाजार में भारी मात्रा में उपलब्ध रहती हैं जिनमें पानी की मात्रा सही में ज्यादा पाई जाती है। आप इन्हें फ्रूट चाट या सलाद के तौर पर भी अलग-अलग तरीके से साथ में शामिल कर सकते हैं। इसके साथ ही दिन में पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। पसीने के साथ सोडियम और पोटैशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स भी तेजी से निकलते हैं, इसका भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

नारियल पानी

नारियल पानी शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए सबसे अच्छा उपाय है। इसमें सोडियम, पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स प्राकृतिक रूप से मौजूद होते हैं। गर्मी में इसे पीने से शरीर को ताजगी मिलती है और यह डिहाइड्रेशन से बचाव होता है। इसके अलावा, नारियल पानी पेट की समस्याओं को भी ठीक करता है। बता दें एक गिलास (240 मिलीलीटर) छाछ में 98 कैलोरी होती है और यह सुरक्षित विकल्प है।

खीरा

खीरा भी पानी का अच्छा स्रोत है, जिसमें 95 प्रतिशत पानी होता है। इसे खाने से शरीर को भी फ्रेस महसूस होता है और ये शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद कर सकता है। खीरे में फाइबर और मिनरल्स होते हैं, जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। आप इसे सलाद या सैंडविच में डालकर आसानी से खा सकते हैं। वहीं खीरे का डिटॉक्स वाटर बनाकर पीना भी काफी फायदेमंद माना जाता है, लेकिन अपने शरीर के जरूरत के मुताबिक और एक सीमित मात्रा में ही इसे पीना चाहिए।

नींबू पानी

गर्मी में नींबू पानी पीना तो बहुत लोग पसंद करते हैं। इसमें शरीर के लिए जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स और विटामिन सी होता है। नींबू पानी पीने से शरीर को ठंडक मिलती है और साथ ही यह शरीर को हाइड्रेट रखने में भी मदद करता है। इसे आप शहद या नमक के साथ भी पी सकते हैं। साथ ही ये डाइजेशन के लिए भी फायदेमंद होता है। एक गिलास (240 मिलीलीटर) में 23-25 कैलोरी होती है। एक गिलास नींबू पानी में सिर्फ 5 कैलोरी होती है और यह हाइड्रेशन के लिए बेहतरीन है। छाछ पीना भी अच्छी विकल्प है।

डिहाइड्रेशन का खतरा

डिहाइड्रेशन, जिसे निर्जलीकरण भी कहा जाता है, शरीर में पानी की कमी होने की स्थिति है। यह तब होता है जब शरीर से निकलने वाले तरल पदार्थों की मात्रा, शरीर में जाने वाले तरल पदार्थों की मात्रा से अधिक हो जाती है। इस स्थिति में दिल को ऑक्सीजन युक्त रक्त शरीर के अन्य अंगों तक पहुंचाने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है। डिहाइड्रेशन पसीने की क्षमता को सीमित करता है, जिससे शरीर का तापमान बढ़ सकता है और हीट स्ट्रोक का खतरा हो सकता है।

हंसना मना है

पति - जब हमारी नई-नई शादी हुई थी, तब तुम कितना तहजीब से बोलती थी... और अब... पत्नी - पहले मैं रामायण देखती थी और अब क्राइम पेट्रोल देखती हूं...

पतिदेव - बाबाजी, सुखी वैवाहिक जीवन के लिए मंत्र बताइए... बाबाजी - बेटा जब तक मुंह बंद और पर्स खुला रहेगा, कृपा आती रहेगी...

मां- किससे बात कर रहा है, इतनी रात को... बेटा - कियारा की मां से... मां - अब ये कियारा कौन है... बेटा - तुम्हारी होने वाली पोती... फिर मां ने रात में ही उतारा बेटे के इश्क का भूत...

एक एयरलाइंस ने एक अनोखी योजना शुरू की...आप टिकट खरीदें, साथ में आपकी पत्नी का टिकट मुफ्त! इस योजना में भारी सफलता मिलने के बाद कंपनी ने सारी पत्नियों को फोन करके पूछा- यात्रा कैसी रही... सभी का एक जैसा ही जवाब था- कौन सी यात्रा...

भिखारी (शर्मा जी से)- साहब मैं अपने परिवार से बिछड़ गया हूं। मिलने के लिए 150 रुपये चाहिए। शर्मा जी (भिखारी से) - कहां है तेरा परिवार.. भिखारी- जी वो मल्टीप्लेक्स में फिल्म देख रहा है।

कहानी — सारा जग बेईमान

बादशाह अकबर और बीरबल हमेशा की ही तरह एक दिन बैठकर अपनी प्रजा के बारे में बात कर रहे थे। बादशाह ने कहा कि बीरबल तुम्हें पता है हमारी प्रजा बेहद ईमानदार है। बीरबल ने कहा कि किसी भी राज्य में लोग पूरी तरह से ईमानदार नहीं होते हैं। सारा जग ही बेईमान है। बादशाह को बीरबल की यह बात पसंद नहीं आई। उन्होंने पूछा, बीरबल तुम ये कैसी बात कर रहे हो? बीरबल ने उत्तर दिया कि मैं एकदम सत्य कह रहा हूं। आप चाहो तो मैं अपनी बात अभी साबित कर सकता हूं। बादशाह बोले, ठीक है! जाओ तुम अपनी बात को सच साबित करके दिखाओ। बीरबल पूरी प्रजा की बेईमानी बाहर लाने के लिए तरकीब सोचने लगे। उनके मन में हुआ कि लोग खुलकर बेईमानी नहीं करते हैं, इसलिए कुछ अलग करना होगा। उन्होंने पूरे राज्य में यह एलान कर दिया कि बादशाह एक बड़ा सा भोज करना चाह रहे हैं। उसके लिए वो चाहते हैं कि पूरी जनता अपना योगदान दे। इसके लिए एक लोटा दूध पतीले में डालना होगा। इतना ही प्रजा की तरफ से काफी है। इसके लिए जगह-जगह पर बड़े-बड़े पतीले रखवा दिए गए। पतीले में लोगों ने शुद्ध दूध डालने के बजाय पानी मिला हुआ दूध डाला। किसी-किसी ने तो सिर्फ पानी ही डाल दिया। हर किसी के मन में यही होता था कि सामने वाले ने तो दूध ही डाला होगा। अगर मैं पानी या पानी मिला हुआ दूध डाल दूंगा तो क्या ही हो जाएगा। शाम तक पतीलों में दूध इकट्ठा हो गया। बीरबल अपने साथ बादशाह अकबर और कुछ रसोइयों को उन जगहों पर ले गए जहां पतीले रखे गए थे। बादशाह ने जिस भी पतीले में देखा तो दूध नहीं, सिर्फ सफेद पानी ही दिखा। रसोइयों ने भी कहा कि महाराज ये दूध नहीं है। ये सारा पानी ही है। इसमें मुश्किल से आधे से एक लोटा दूध होगा, जिसकी वजह से इसका रंग हल्का सफेद है। वरना ये पानी से ज्यादा कुछ नहीं। इन सारी चीजों को देखकर बादशाह अकबर हैरान हो गए। उनके मन में हुआ कि मैं तो सबको ईमानदार समझता था, लेकिन बीरबल की ही बात सच निकली। उन्होंने बीरबल को कहा कि तुम ठीक ही कहते थे। मुझे हकीकत समझ आ गई है। इतना कहते हुए बादशाह, बीरबल और रसोइये वापस महल आ गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज कारोबार के बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई पुराना रोग बाधा का कारण हो सकता है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

वृषभ आपको आज धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मिथुन आप आज वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्जन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क आज के दिन वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें। प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह पुराने समय से रुके स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे।

कन्या घर में किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा।

तुला आज कारोबार में आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दूसरों की बातों में नहीं आएं।

वृश्चिक आज अविवाहितों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे।

धनु कारोबार संबंधी आज लाभकारी शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मकर आपकी व्यावसायिक यात्रा आज लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें।

कुम्भ बाहरी क्षेत्र से आय बनी रहेगी। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। सहकर्मी सहयोग नहीं करेंगे। चिंता रहेगी। आंखों का विशेष ध्यान रखें।

मीन आज बाहर की यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। प्रसन्नता रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म इंडस्ट्री में अब प्रेम नहीं सिर्फ कारोबार बचा : मेहुल कुमार

तू जब भी देशभक्ति की फिल्मों की बात होती है तो उनमें राजकुमार की 'तिरंगा' और नाना पाटेकर की 'क्रांतिवीर' जैसी फिल्मों का जिक्र जरूर होता है। इन दोनों ही फिल्मों के एक-एक सीन और डायलॉग आज भी लोगों को हूबहू याद हैं। 90 के दशक में ऐसी ही देशभक्ति से लबरेज एक्शन फिल्में बनाने वाले निर्देशक मेहुल कुमार ने हाल ही में मीडिया बातचीत की। इस दौरान मेहुल कुमार ने मोहम्मद रफी से लेकर राज कुमार तक से जुड़े कई मजेदार किस्से साझा किए। एक प्रश्न के जवाब में मेहुल कुमार ने कहा कि मैं हमेशा बड़ी बात लोगों के हिसाब से ही कहता हूं, ताकि जो हमें कहना है, वो कह भी दिया जाए और लोग उससे जुड़ भी जाएं। यही वजह है कि मेरी कई एक्शन फिल्में परिवारों ने भी पसंद कीं। चाहे 'क्रांतिवीर' हो या 'तिरंगा', इनमें सिर्फ धर्म या देशभक्ति का ही एंगल नहीं रहा। इनमें गाने और लव एंगल जोड़कर व्यावसायिक तरीके से ही पेश करना पड़ा, तभी वजनदार बात लोगों के दिलों तक पहुंची। कलाकारों के साथ अपने रिस्ते पर बात करते हुए मेहुल कुमार बोले, दादा मुनि ने तो मेरे साथ पर-डे के हिसाब से काम किया था। उन्हें लगा शूट 10 दिन का होगा पर छह दिन में ही खत्म हो गया। मेरे से हंसते हुए बोले- 'तेरे साथ अब कभी पर-डे के हिसाब से काम नहीं करूंगा।' शबाना आजमी जी ने जब साथ काम किया 'अनोखा बंधन' में तो उन्होंने पूरी फिल्म में पुराने कपड़े ही पहने, क्योंकि फिल्म में उनका किरदार मध्यम वर्गीय परिवार की महिला का था। महमूद भाईजान ने तो अपनी आखिरी फिल्म मेरे साथ की थी। वो इंडस्ट्री में काम करना छोड़ चुके थे, पर मेरे कहने पर फिल्म 'लव मैरिज' में मेरे साथ काम किया। कहना यह चाहता हूं कि उस वक्त इंडस्ट्री में आपस में प्यार था। लोग एक-दूसरे का साथ देने के लिए हमेशा खड़े रहते थे और कहानी को प्राथमिकता दी जाती थी। अब तो सबकुछ धंधा बन गया है।

फिल्म 'पोस्टमैन' का फर्स्ट लुक जारी

बॉलीवुड | मसाला

संजय मिश्रा ने अपने करियर में जहां कॉमेडी के जरिए दर्शकों को हंसाया है, वहीं संजीदा किरदारों के लिए जरिए आंखें भी नम की हैं। जल्द ही वह एक और संजीदा किरदार फिल्म 'पोस्टमैन' में निभाने वाले हैं, इस फिल्म का फर्स्ट लुक गुरुवार को जारी किया गया है।

फिल्म के फर्स्ट लुक को संजय मिश्रा ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया है, इसमें वह पोस्टमैन के गेटअप में नजर आ रहे हैं। इसी पोस्ट में फिल्म को लेकर निर्देशक फैजान ए बजमी लिखते हैं, 'हर फिल्म एक स्पॉर्क से शुरू होती है। हमारी फिल्म एक चिट्ठी से शुरू हुई। अपनी फिल्म

'पोस्टमैन' का पहला लुक शेयर करते हुए प्राउड फील हो रहा है। फिल्म 'पोस्टपैन' एक फैसले और संदेश की अहमियत के बारे में बताती हैं। इस फिल्म के निर्देशक फैजान, संजय मिश्रा और बाकी कलाकारों के बारे में कहते हैं, 'मैं सभी कलाकारों का शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने इस फिल्म में जान फूंक दी है।'

कॉमेडी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में संजय मिश्रा नजर आएंगे, यह फिल्म कल यानी 1 अगस्त को रिलीज हो रही है। वह एक हिंदी फिल्म 'हीर एक्सप्रेस' में भी नजर आएंगे। वह राजकुमार राव की हालिया रिलीज फिल्म 'भूल चूक माफ' में भी नजर आ चुके हैं।

पति नसीरुद्दीन शाह के कहने पर रत्ना पाठक ने बाल रंगना बंद किया

जहां एक तरफ कॉस्मेटिक सर्जरी, फिलर्स, बोटॉक्स का सहारा लेकर एक्ट्रेसेस जवानी बरकरार रखने की कोशिश में हैं, वहीं एक्ट्रेस रत्ना पाठक ने अपने बाल रंगना बंद करने और अपनी उम्र को अपनाने का फैसला किया। अब उन्होंने खुलकर बताया है कि यह फैसला उन्होंने क्यों लिया और इस बदलाव का उनके करियर पर क्या असर पड़ा। हाल ही में एक इंटरव्यू में रत्ना पाठक ने अपने इस फैसले के बारे में खुलकर बात की और बताया कि उनके पति और दिग्गज नसीरुद्दीन शाह ने उन्हें बाल रंगना बंद करने के लिए प्रोत्साहित किया। बीबीसी न्यूज़ हिंदी को दिए एक इंटरव्यू में रत्ना पाठक ने सिग्नेचर हेयरस्टाइल के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि ये फैसला उनका अपना था। लेकिन इसे अपनाने में उनके पति और दिग्गज एक्टर नसीरुद्दीन शाह की अहम भूमिका रही।

रत्ना पाठक पिछले एक दशक से ज्यादा समय से इस स्टाइल को अपनाए हुए हैं। उन्होंने बताया, 'मेरा इस हेयरस्टाइल को सेट करने का कोई प्लान नहीं था, लेकिन मेरे पास सफेद बाल रखने का प्लान था। ऐसा

नहीं है कि मैंने इसके बारे में बहुत सोचा। सच कहूं तो कभी-कभी मुझे इससे चिढ़ भी होती थी, लेकिन कुल मिलाकर यह एक फायदेमंद विचार था।'उन्होंने स्वीकार किया कि स्टार्स के लिए अपनी उम्र को अपनाना और स्वीकार करना बहुत मुश्किल होता है। बातचीत में रत्ना ने कहा- आपकी जिंदगी की अनिवार्यताएं आप उनसे कितनी देर तक दूर रह सकते हैं? और अगर आप उनसे लड़ने की कोशिश करते हैं, तो आप मूर्ख लगने लगते हैं। यह मेरी राय है। उन्होंने कहा कि अपने बालों के प्राकृतिक रंग को अपनाने का विचार उनके पति नसीरुद्दीन से आया। उन्होंने कहा, 'नसीर का इसमें एक रोल था। उन्होंने मुझे बाल रंगना बंद करने को कहा और मैं आपको नहीं बता सकती कि यह कितना राहत देने वाला था। यह मुश्किल था, मेरे काम के ऑफर कम हो गए क्योंकि जो मेल स्टार्स मेरे साथ काम कर सकते थे, वे अभी भी अपने बाल रंग रहे थे।'

उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अब मैं दादी-नानी की कैटेगरी में आ गई और हमारी फिल्मों में दादी-नानी के लिए क्या रोल होते हैं, ये तो सब जानते हैं।' लेकिन उन्होंने यह भी बताया कि सफेद बालों के साथ भी उन्हें कुछ अच्छे रोल्स मिले हैं और वह इस बदलाव को आत्म-स्वीकृति की दिशा में एक जरूरी कदम मानती हैं। रत्ना पाठक ने कहा- 'मेरे हिसाब से एक कलाकार के लिए इंसानियत को अपनाना बहुत जरूरी है। आप अपनी उम्र से कब तक भाग सकते हैं? अगर आप इसे स्वीकार नहीं करते, तो मूर्ख लगने लगते हैं।'

अजब-गजब | यहां पीढ़ियों से चली आ रही है यह प्रथा

दूल्हा ही नहीं, उनके भाइयों से भी शादी करती है दुल्हन

दुनियाभर में विवाह की कई अनोखी और सदियों पुरानी परंपराएं मौजूद हैं, जो हमें अलग-अलग समाजों की जीवनशैली और सोच को समझने का मौका देती हैं। इनमें से कुछ परंपराएं हमें हैरान कर देती हैं, खासकर जब वे हमारी अपनी सांस्कृतिक मान्यताओं से बहुत अलग होती हैं। तिब्बत के कुछ हिस्सों में शादी से जुड़ी एक ऐसी ही अनोखी प्रथा आज भी मौजूद है, जिसे पॉलीएंड्री कहा जाता है। इस हैरतअंगेज परंपरा के तहत, एक महिला एक ही परिवार के कई भाइयों से सामूहिक रूप से शादी करती है। यह प्रथा वहां पीढ़ियों से चली आ रही है और इसका मुख्य उद्देश्य परिवार की पैतृक संपत्ति को बंटने से बचाना है।

चाइना एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज से जुड़े रिसर्चर्स के मुताबिक, इस परंपरा में सबसे बड़ा भाई उस महिला का 'मुख्य पति' होता है, जबकि अन्य भाई 'सहयोगी पति' कहलाते हैं। हालांकि, सभी भाइयों के पत्नी के साथ समान अधिकार होते हैं और पत्नी सभी भाइयों के साथ समान व्यवहार करती है। इस प्रथा के पीछे मुख्य रूप से गहरे आर्थिक और भौगोलिक कारण छिपे हैं। ये इलाके बेहद ठंडे, ऊंचे और बंजर हैं, जहां खेती लायक जमीन बहुत कम है। अगर हर भाई अलग से शादी करता और संपत्ति का बंटवारा होता, तो हर परिवार के हिस्से में इतनी कम जमीन या संसाधन आते कि वे मुश्किल से जीवित रह पाते। पॉलीएंड्री यह सुनिश्चित करती है कि परिवार की संपत्ति,

जैसे जमीन और पशुधन, एक ही इकाई के रूप में बनी रहे और पीढ़ियों तक विभाजित न हो। इससे परिवार के सभी पुरुष सदस्य एक साथ मिलकर काम करके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाए रखते हैं। इसके अलावा, यह प्रथा काम करने वाले लोगों की संख्या (श्रम बल) को भी एक जगह इकट्ठा रखता है। एक बड़े परिवार में कई पुरुष सदस्य होने से खेती, पशुपालन और व्यापार जैसे मुश्किल कामों में मदद मिलती है, जो ऐसे दुर्गम इलाकों में जीवनयापन के लिए बेहद जरूरी है।

बाहरी दुनिया के लोगों के लिए यह प्रथा अजीब या चौंकाने वाली हो सकती है, लेकिन तिब्बत के उन हिस्सों में इसे पूरी तरह सामान्य और स्वीकार्य माना जाता है। इस व्यवस्था में बच्चों को भी सभी पतियों का साझा बच्चा माना जाता है और सभी पति मिलकर उनका पालन-पोषण करते हैं। जैविक पिता की पहचान को ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता, क्योंकि सभी पिता समान होते हैं। हालांकि, कुछ स्टडी से यह भी पता चला है कि इस प्रथा में कुछ चुनौतियां भी होती हैं, जैसे पतियों के बीच व्यक्तिगत हितों का टकराव या पत्नी के लिए भावनात्मक संतुलन बनाए रखना। आधुनिक समय में, खासकर शहरी क्षेत्रों में अब एकल-विवाह ज्यादा प्रचलित हो रहा है, लेकिन दूरदराज के ग्रामीण और पहाड़ी इलाकों में यह सदियों पुरानी परंपरा अभी भी जीवित है। यह परंपरा एक मिसाल है कि कैसे मानव समाज ने कठिन परिस्थितियों में जीवित रहने और अपनी संस्कृति को बनाए रखने के लिए अलग-अलग तरह के सामाजिक ढांचे विकसित किए हैं।

वह अनोखा जीव, जिसकी आंखें लगती हैं डरावने मोती जैसी, अंधेरे में भी करता है शिकार

धरती पर बहुत तरह के जानवर हैं जो देखने में अजीब और कुछ कुछ तो दूसरी दुनिया के जीव भी लगते हैं। इससे भी हैरतअंगेज़ जीव तो समुद्र के अंदर के संसार में देखने को मिलते हैं। वैज्ञानिकों का कहना मानना है कि अभी वे इन संसार का कुछ हिस्सा ही देख पाए हैं। आए दिन इसमें रहने वाले नए जीव लोगों को चौंकाते रहते हैं। हाल ही में समुद्र की गहराई से एक डरावना जीव सामने आया है। इसकी मोती जैसी दिखने वाली आंखें, इतनी बड़ी और डरावनी हैं कि देखने वाले सिहर जाएं। टेलीस्कोपफिशो नाम का यह जीव इन्हीं आंखों से टेलीस्कोप की तरह अपने शिकार बहुत दूर से देख लेता है। वैज्ञानिकों ने हाल ही में इस जीव की तस्वीरें जारी की हैं। टेलीस्कोपफिश की आंखें बहुत बड़ी होती हैं। ये आंखें आगे की तरफ नली होती हैं। इसकी वजह से यह जीव अंधेरे में भी शिकार कर सकता है। गहरे समुद्र में रोशनी नहीं होती। लेकिन इस जीव की आंखें अंधेरे में बहुत ज्यादा दूर तक देख सकती हैं। टेलीस्कोपफिश में बायोलुमिनेंस का क्षमता होती है। इसका मतलब है कि कुछ जीव प्रकाश उत्सर्जित करते हैं। इस जीव की आंखें ट्यूब की तरह होती हैं। ये आंखें प्रकाश इकट्ठा करने में मदद करती हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये आंखें शिकार को दूर से देख सकती हैं।

टेलीस्कोपफिश गहरे समुद्र में 500 से 3000 मीटर की गहराई पर रहता है। इस जीव की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। लोग इसे देखकर डर रहे हैं। लेकिन वैज्ञानिकों के लिए यह एक रोमांचक खोज है। वे इस जीव के बारे में और जानना चाहते हैं। टेलीस्कोपफिश बहुत दुर्लभ तो है ही, इसे पकड़ना मुश्किल है। वैज्ञानिकों ने बताया कि टेलीस्कोपफिश की आंखें इसके सिर के ऊपर होती हैं। ये आंखें बहुत बड़े लेंस से बनी हैं। ये लेंस प्रकाश को इकट्ठा करते हैं। इसकी वजह से यह जीव अंधेरे में भी देख सकता है। इस जीव का मुंह भी बहुत बड़ा होता है, दांत नुकीले होते हैं जो शिकार को पकड़ने में मदद करते हैं।

बयानवीर मंत्री के इस्तीफे की मांग पर मप्र में हंगामा

» विधानसभा में विजय शाह के इस्तीफे को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में मंत्री विजय शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर जमकर हंगामा हुआ। कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान को लेकर कांग्रेस विधायकों ने उन पर सेना का अपमान करने का आरोप लगा कर इस्तीफे की मांग की। अपनी मांग को लेकर कांग्रेस विधायक आसंदी के पास आकर नारेबाजी करने लगे। उन्होंने कहा कि मंत्री को अपने पद पर रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। इस पर सत्ता पक्ष ने भी कांग्रेस पर सेना का अपमान करने का आरोप लगाया। विधानसभा सत्र के पांचवें दिन सदन में जोरदार हंगामा हुआ और विजय शाह के इस्तीफे की मांग की गई।

प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने भोपाल गैस त्रासदी मंत्री विजय शाह से पूछा कि गैस पीड़ित निगरानी समिति द्वारा कितनी त्रैमासिक रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश की गई? इस पर जवाब देने के लिए जैसे ही मंत्री विजय शाह खड़े हुए तो कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया ने खड़े होकर कहा कि मंत्री ने सेना का अपमान किया है। उनको मंत्री पद पर रहने का अधिकार नहीं है। इसके बाद कांग्रेस विधायकों ने खड़े होकर मंत्री के विरोध में नारेबाजी करना शुरू कर दी और आसंदी के पास आकर मंत्री के इस्तीफे की मांग करने लगे।

मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा

बता दें, मंत्री विजय शाह ने एक सभा के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसे लेकर सोशल मीडिया से लेकर न्यायिक स्तर तक प्रतिक्रिया आई है। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट ने भी बयान को लेकर सख्त टिप्पणी की है। फिलहाल मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है।

चीन व पाक की भाषा बोलती है कांग्रेस : विजयवर्गीय

विपक्ष की मांग पर संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस खुद सेना की शौर्यगाथा पर सवाल उठाती रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चीन और पाकिस्तान की भाषा बोलती है। वह हमारे देश की सेना का मनोबल गिराने का काम करती है। लगातार हो रहे हंगामे के कारण विधानसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही को दोपहर एक बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। इसके बाद जब कार्यवाही दोबारा शुरू हुई तो विपक्ष ने एक बार फिर से आसंदी के समीप जाकर विजय शाह के इस्तीफे की मांग को दोहराया। शोर-शराबे के बीच ध्यानाकर्षण प्रस्तावों पर चर्चा हुई। शोर शराबे के बीच अध्यक्ष ने याचिकाओं को प्रस्तुत माना। मंत्री गोविंद राजपूत अपना वक्तव्य पढ़ रहे थे, उस दौरान भी आसंदी के पास हंगामा होता रहा। इसके बाद अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही सोमवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

झारखंड में एसआईआर नहीं होने देंगे लागू : इरफान अंसारी

» हेमंत सोरेन सरकार के मंत्री बोले- ये राज्य के हितों के खिलाफ है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड विधानसभा में सआईआर को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखा विवाद देखने को मिल रहा है। सत्तारूढ़ गठबंधन जेएमएम और कांग्रेस ने इसका कड़ा विरोध किया है। एसआईआर को लेकर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि एसआईआर को झारखंड में लागू नहीं होने दिया जाएगा। इसे राज्य के हितों के खिलाफ बताते हुए उनका तर्क है कि यह प्रक्रिया राज्य की स्वायत्तता और स्थानीय मुद्दों को नजरअंदाज कर सकती है। उन्होंने कहा कि इस मामले में हम सदन में और सदन के बाहर आवाज उठाने का काम करेंगे। अंसारी ने आगे कहा, बीजेपी ने सारी हदें पार कर दी हैं।

एसआईआर के जरिए वे लोगों का मनोबल तोड़ना चाहते हैं और एक साजिश के तहत उनके मताधिकार को छीनना चाहते हैं। इसीलिए झारखंड में इसके खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्होंने ये भी कहा, हमारे विधानसभा अध्यक्ष इस विषय पर विधानसभा में व्यापक चर्चा की मांग करेंगे और हमें झारखंड में इसके खिलाफ प्रस्ताव पारित करना चाहिए। हम इसके खिलाफ बिहार भी जाएंगे। वहीं कांग्रेस विधायक सुरेश बैठा ने भी कहा, चुनाव आयोग के द्वारा समय समय पर वोटरों की जांच की जाती है, वैसे वोटर जो निधन कर गए है या जो परमानेंट बाहर जा चुके हैं, उनके नाम को काटा जाता है। लेकिन जानबूझ कर वोटरों की संख्या कम कर देना गलत है साजिश है। उन्होंने कहा, मान लिया जाए कि यादव समाज के लोग बाहर काम की वजह से गए हैं, जिससे बीजेपी घबरा गई है वे लोग का नाम हटाने की साजिश हो रही है।

ये एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है : बीजेपी

उधर, इस पर बीजेपी ने कहा, एसआईआर एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जो चुनाव आयोग की आवश्यकताओं के अनुसार लागू होती है। पार्टी का दावा है कि यह प्रक्रिया निष्पक्षता सुनिश्चित करने और चुनावी अनियमितताओं की जांच के लिए जरूरी है, और इसे राजनीतिक रंग देना उचित नहीं है।

सेना में ज्यादा रन बनाने वाले राहुल दूसरे भारतीय ओपनर

» जो रूट घर में किसी एक टीम के खिलाफ 2000+ रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला लंदन के द ओवल मैदान पर खेला जा रहा है। दूसरी पारी में भले ही केएल राहुल सात रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि, उन्होंने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह सेना (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों में एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे भारतीय सलामी बल्लेबाज बन गए। मौजूदा सीरीज में केएल राहुल ने 532 रन बनाए हैं। वहीं, इस मामले में शीर्ष पर सुनील गावस्कर हैं। पूर्व बल्लेबाज ने 1979 में इंग्लैंड दौरे पर एक टेस्ट सीरीज में 542 रन बनाए थे। तीसरे स्थान पर मुरली विजय हैं, जिन्होंने 2014-15 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 482 रन बनाए थे।

केएल ने पहली पारी में 14 रन बनाए थे। वहीं इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने भारत के खिलाफ जारी पांचवें टेस्ट मैच में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह किसी देश में भारत के खिलाफ टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। रूट ने भारत के खिलाफ घर में 2000 टेस्ट रन पूरे कर लिए। वह घरेलू धरती पर टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज भी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया। रूट इंग्लैंड में 2006* टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में 1893 रन बनाए। तीसरे स्थान पर शिवनरेन चंदरपॉल हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज में 1547 रन बनाए। जहीर अब्बास (1427- पाकिस्तान) और स्टीव स्मिथ (1396- ऑस्ट्रेलिया) क्रमश: चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

पांचवें टेस्ट के बीच क्रिस वोक्स चोट के कारण बाहर

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ने कहा कि उनके साथी ऑलराउंडर क्रिस वोक्स की चोट अच्छी नहीं लग रही है जो भारत के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के पहले दिन कंधे की चोट के कारण मैदान से बाहर चले गए थे। गुरुवार को मैच के पहले दिन करुण नायर के शॉट पर बाउंड्री बचाने के प्रयास में वोक्स चोटिल हो गए थे और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा था। अब इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इस बात की जानकारी दी है कि वोक्स इस मैच का हिस्सा नहीं होंगे। वोक्स जब मैदान से बाहर गए तो उनका बायां हाथ स्वेटर में लिपटा हुआ था और वह दर्द से कराह रहे थे। एटकिंसन ने बारिश से प्रभावित पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं जानता, लेकिन यह बहुत अच्छा नहीं लग रहा है। यह बहुत निराशाजनक है। यह सीरीज का आखिरी मैच है और जब कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है तो अच्छा नहीं लगता है। मुझे उम्मीद है कि सब कुछ ठीक होगा।

पंजाब में मंत्री बेचते थे नशा : केजरीवाल

» बोले-जो तस्करों को घरों में रखते थे वो अब जेल में हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आज पंजाब के लिए ही नहीं देश के लिए ऐतिहासिक दिन है। क्योंकि अब बच्चों को नशे के खिलाफ बचपन से ही शिक्षा दी जाएगी। यह बात आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कही। अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान शुक्रवार को पंजाब के फाजिल्का में थे। जहां उन्होंने लोगों को संबोधित किया। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में नशा एक दिन में नहीं आया है। पंजाब कई वर्षों से नशे से जूझ रहा है। वर्ष 2007-08 से पंजाब में नशा आने लगा और उसके बाद जितने सरकारें रहीं, उन्होंने नशे को खत्म करने के बयाए इसे बढ़ाने का काम किया।

केजरीवाल ने कहा कि कुछ सरकारें तो पंजाब में ऐसी भी थी जिनके मंत्री खुद नशा बेचते थे। यहां तक मंत्री अपनी गाड़ियों में पंजाब के कोने-कोने में नशा सप्लाई करते थे। देश के बाहर से पंजाब में इंटरनेशनल ड्रग्स तस्कर आते थे तो उनको वे अपने घर और कोठियों में अपने साथ रखते थे। पहले जो भी सरकारें रहीं उन्होंने नशे के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया।वर्ष 2022 में पंजाब के लोगों ने तंग व परेशान होकर नई पार्टी आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार को सत्ता में लाया। लोगों ने यह कहते हुए आप को चुना कि नशे के खिलाफ न तो कांग्रेस और न ही अकाली-भाजपा कुछ कर रही है। इसलिए आप कुछ करके दिखाओ। सरकार की तरफ से शुरू किया गया युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत नशे बेचने वालों को पकड़ कर जेल में डाला जा रहा है।

अबोहर पहुंचे सीएम मान केजरीवाल और सिसोदिया

आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल, आप पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान अबोहर के प्रसिद्ध कपड़ा व्यापारी व वियर वेल के संचालक जगत वर्मा के निवास पर पहुंचे। जगत वर्मा के छोटे भाई संजय वर्मा की हत्या पर दुख जताया। सीएम मान, केजरीवाल व सिसोदिया ने जगत वर्मा को ढांढस बंधाते हुए कहा कि हत्यारों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस टीमें इस दिशा में गंभीरता से जुटी हुई हैं। बता दें कि 7 जुलाई को अबोहर में संजय वर्मा की गोलियां मार कर हत्या कर दी गई थी। हत्या के पीछे किसी गैंगस्टर गिरोह का हाथ होना माना जा रहा है। घटना वाले दिन अबोहर में भगत सिंह चौक पर स्थित न्यू वियर वेल शोरूम के संचालक संजय वर्मा को उस समय गोली मारी गई जब वे अपनी कार से उतर रहे थे। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए थे।

मृतक आश्रितों को मिला रोजगार मेयर सुषमा ने बांटे नियुक्ति पत्र

» नगर निगम ने दिखाया संवेदना और मानवता का भाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मेयर सुषमा खर्कवाल ने मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर मेयर ने कहा कि आज से ये सभी आश्रित नगर निगम के परिवार का हिस्सा बन गए हैं। दिवंगत कर्मचारियों ने अपना जीवन नगर निगम की सेवा में समर्पित किया, और अब उनके परिजनों को रोजगार देकर निगम ने न केवल उनका सम्मान बढ़ाया।

बल्कि संवेदना और मानवता की मिसाल भी पेश की है। कार्यक्रम में नियुक्ति पत्र पाने वालों में मयंक दीक्षित, सागर राठौर, दीपक कुमार, आनंद कुमार, मनीष कुमार, सुमन, बृजेंद्र रावत और अजय कुमार यादव शामिल हैं।

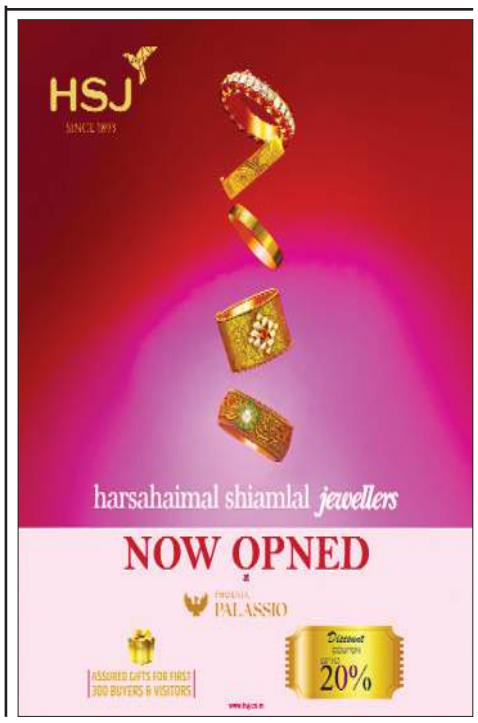

लोकतंत्र में हर व्यक्ति बराबर होता है: राहुल गांधी

बोले नेता प्रतिपक्ष- किसी को भी राजा बनाने की सोच सही नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वार्षिक लीगल कॉन्क्लेव 2025 में उस वक्त कार्यकर्ताओं को टोक दिया, जब उन्होंने नारा लगाया - देश का राजा कैसा हो, राहुल गांधी जैसा हो। इस पर राहुल गांधी ने साफ शब्दों में कहा, मैं राजा नहीं हूं, और राजा बनना भी नहीं चाहता हूं, मैं राजा के कॉन्सेप्ट के ही खिलाफ हूं।

उन्होंने बताया कि लोकतंत्र में हर व्यक्ति बराबर होता है और किसी को भी राजा बनाने की सोच सही नहीं है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी की नींव वकीलों ने रखी थी। अगर वकील नहीं होते, तो देश को न आज़ादी मिलती और न ही संविधान बन पाता,उन्होंने कहा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि जो देश आपने बनाया है, आज उसी को धीरे-धीरे खत्म किया जा रहा है, और इसे रोकना हम सबकी जिम्मेदारी है।

लोकसभा चुनाव में धांधली के सबूत जल्द पेश करेंगे नई दिल्ली में आयोजित कांग्रेस पार्टी के वार्षिक लीगल कॉन्क्लेव 2025 में बोलते हुए राहुल गांधी ने दावा किया कि उनकी पार्टी जल्द ही यह सबूत पेश करेगी कि लोकसभा चुनाव में धांधली हुई थी। उन्होंने कहा, हम आने वाले कुछ दिनों में आपको यह साबित करके दिखाएंगे कि लोकसभा चुनाव कैसे और किस तरह से रिग किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी बहुत मामूली बहुमत से सत्ता में आई है।

चुनावी व्यवस्था मर चुकी है 15 सीटें धांधली से जीती गईं

राहुल गांधी ने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनावों में भारी धांधली हुई। जिससे भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को बेहद मामूली बहुमत दिलाया गया।राहुल गांधी ने कहा कि भारत में चुनावी व्यवस्था अब समाप्त हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री बहुत ही मामूली बहुमत से पीएम बने हैं। अगर 15 सीटें धांधली से नहीं जीती जातीं, तो वे प्रधानमंत्री नहीं बन पाते।

कृषि कानूनों के विरोध के दौरान जेटली ने दी थी धमकी

कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली पर भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस तीन कृषि कानूनों का विरोध कर रही थी, तब उन्हें डराने के लिए अरुण जेटली को भेजा गया था। उन्होंने कहा, हमें धमकाया गया, लेकिन हम नहीं झुके।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड्रा को झटका राउज एवेन्यू कोर्ट ने जारी किया नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति और व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धन शोधन मामले में अदालत का नोटिस भेजा गया। राउज एवेन्यू कोर्ट ने वाड्रा और ईडी मामले में आरोपी के रूप में सूचीबद्ध कई अन्य व्यक्तियों और कंपनियों को नोटिस जारी किए। प्रवर्तन निदेशालय ने हाल ही में इस मामले में तीन व्यक्तियों और आठ फर्मों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है।

28 अगस्त को होने वाली सुनवाई में पूर्व-संज्ञान स्तर पर उनकी भूमिकाओं की जाँच की जाएगी। यह मुकदमे के लिए औपचारिक आरोप-पत्र जारी करने से पहले उठाया गया एक न्यायिक कदम है। 28 अगस्त की कार्यवाही यह निर्धारित करेगी कि क्या अदालत प्रवर्तन निदेशालय के मामले में पर्याप्त योग्यता से संतुष्ट है और मामले को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त है। वहीं, एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली की एक अदालत से कहा कि हरियाणा के शिकोहपुर में रॉबर्ट वाद्रा से जुड़े भूमि सौदे में कथित अनियमितताएं धन शोधन का स्पष्ट और अनूठा' मामला है। विशेष न्यायाधीश सुशांत चगोत्रा मामले में वाद्रा को नोटिस जारी करने के लिए ईडी की प्रारंभिक दलीलों पर सुनवाई कर रहे थे। ईडी ने 17 जुलाई को इस मामले में एक आरोपपत्र दाखिल किया, जिसमें वाद्रा का भी नाम है। ईडी ने दलील दी, ''यह धन शोधन का एक स्पष्ट और अनूठा मामला है। अपराध की आय का उपयोग अचल संपत्तियां हासिल करने के लिए किया गया।

बाबू का दशकों से जमावड़ा

» स्थानांतरण नीति पर उठे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम के लेखा विभाग में वर्षों से तैनात बाबू किशुन वर्मा पर सवाल उठने लगे हैं। सूत्रों के मुताबिक़, किशुन वर्मा वर्ष 2012 से लगातार इसी विभाग में जमे हुए हैं। निगम के भीतर चर्चा है कि सबसे बड़ा खेल कमीशन का यहीं से शुरू होता है, और फाइलों के खेल में इनकी भूमिका अहम मानी जाती है।

शहर भर में कर्मचारियों के नियमित स्थानांतरण की नीति लागू होने के बावजूद, किशुन वर्मा पर यह नीति क्यों नहीं लागू हुई, यह बड़ा सवाल बनकर उभर रहा है। चर्चाओं का बाज़ार गर्म है कि आखिर इन्हें किसका संरक्षण प्राप्त है, जिसकी वजह से एक ही जगह पर वर्षों से टिके हुए हैं। निगम प्रशासन की निष्पक्षता पर भी सवाल उठ रहे हैं कि

अगर नियम सबके लिए बराबर हैं, तो फिर लेखा विभाग में यह अपवाद क्यों? नगर निगम के अंदरूनी सूत्र बताते हैं कि फाइलों को अटकाना, पास कराना या फिर कमीशन के खेल में अनुभवी माने जाने वाले कुछ पुराने बाबुओं का वर्षों से टिके रहना ही भ्रष्टाचार की जड़ है। शहरवासी और पारदर्शिता की मांग करने वाले सामाजिक संगठन अब इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं, ताकि नगर निगम की कार्यप्रणाली पर लगे सवालिया निशान मिटाए जा सकें।

दुर्ग में गिरफ्तार दो ननों को राहत

» एनआईए कोर्ट से मिली जमानत

» मानव तस्करी और धर्मांतरण केस में आया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानव तस्करी और जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप में गिरफ्तार केरल की ननों को शनिवार को एक विशेष एनआईए अदालत ने ज़मानत दे दी। अदालत ने दो ननों सहित तीन लोगों की ज़मानत याचिका स्वीकार कर ली।

दोनों ननों, सिस्टर वंदना फ्रांसिस और प्रीति के अलावा, तीसरे आरोपी सुखमन मंडावी को भी ज़मानत दे दी गई है। तीनों को 50-50 हज़ार रुपये का मुचलका भरना होगा और अदालत में अपने पासपोर्ट भी जमा करने होंगे। एनआईए अदालत ने उनके देश छोड़ने पर भी रोक लगा दी है। अभियोजन पक्ष द्वारा ज़मानत याचिका का विरोध करने और यह तर्क देने के बावजूद कि मामला जाँच के प्रारंभिक चरण में है, अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। दोनों कैथोलिक ननों को पिछले हफ्ते छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन पर हिरासत में लिया गया था। कथित तौर पर ये दोनों नन एक स्थानीय कॉन्वेंट में काम करने आने वाली महिलाओं को लेने आई थीं। बजरंग दल के एक पदाधिकारी की शिकायत के आधार पर उन्हें एक तीसरे व्यक्ति के साथ गिरफ़्तार किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि वे नारायणपुर की तीन लड़कियों का जबरन धर्म परिवर्तन और तस्करी कर रहे थे।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने मनाया जश्न

ननों को ज़मानत देने के अदालती आदेश के बाद, सांसद जॉन ब्रिटास के नेतृत्व में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के कार्यकर्ताओं ने उस जेल के बाहर जश्न मनाया जहाँ आरोपी नन बंद हैं।

गिरफ्तारियों को राजनीति से प्रेरित और निराधार बताया गया था

हालाँकि, गिरफ्तारी के एक दिन बाद, तीन आदिवासी महिलाओं में से दो के परिवारों ने पुलिस के आरोपों का पुरज़ोर खंडन किया और गिरफ्तारियों को राजनीति से प्रेरित और निराधार बताया। परिवार के सदस्यों ने जबरन धर्मांतरण के आरोप का खंडन किया। महिलाओं में से एक की बड़ी बहन ने कहा, हमारे माता-पिता अब जीवित नहीं हैं। मैंने अपनी बहन को ननों के साथ भेजा था ताकि वह आगरा में नर्सिंग की नौकरी कर सके। मैंने पहले लखनऊ में उनके साथ काम किया था। यह अवसर उसे आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगा।

फडणवीस सरकार ने वोट चुराए : राउत

» बोले- हरियाणा में भी ऐसा हुआ, अब बिहार की बारी

» शिवसेना यूबीटी ने किया राहुल गांधी का समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर लगाए गए वोट चोरी के आरोपों को लेकर सियासत गरमा गई है. शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत खुलकर राहुल गांधी के समर्थन में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि जो राहुल गांधी कह रहे हैं, वो सच है और इसके उदाहरण पहले भी देखे जा चुके हैं।

राउत ने कहा, फडणवीस सरकार ने वोट चुराए, यह हरियाणा में हुआ, अब बीजेपी बिहार में ऐसा करना चाहती हैं, राहुल गांधी इसका विरोध कर रहे हैं और हम उनके साथ हैं।संजय राउत का बयान तब आया जब शुक्रवार को संसद भवन परिसर में राहुल गांधी ने प्रेस से बातचीत करते हुए चुनाव

आयोग पर गंभीर आरोप लगाए. राहुल ने दावा किया कि उनके पास पुख्ता सबूत हैं कि बिहार की एक एसआईआर रिपोर्ट में साफ दिख रहा है कि वोटों की चोरी हुई है और इसमें चुनाव आयोग भी शामिल है। राहुल गांधी ने कहा, मैं यह हल्के में नहीं कह रहा हूं हमारे पास ठोस दस्तावेज हैं. चुनाव आयोग में ऊपर से नीचे तक जो लोग इस खेल में शामिल हैं, उन पर कार्रवाई होगी. हम उन्हें नहीं छोड़ेंगे। राहुल ने दावा किया कि पहले मध्यप्रदेश और लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद विपक्ष के मन में संदेह पैदा हुआ था, लेकिन अब महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बाद यह शक और गहरा हो गया है. उन्होंने कहा कि जब अचानक एक करोड़ नए नाम मतदाता सूची में जुड़ गए तो कांग्रेस ने अपनी आंतरिक जांच शुरू की।

चुनाव आयोग ने आरोपों को किया खारिज

हालांकि, चुनाव आयोग ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। आयोग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि हम रोज-रोज लगाए जा रहे ऐसे बेबुनियाद आरोपों को नजरअंदाज करते हैं. रोज मिल रही धमकियों के बावजूद हमारे कर्मचारी निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम कर रहे हैं।

पहाड़ से लेकर मैदान तक जल प्रलय, पूरे देश में बारिश का कहर

» हिमाचल में लैंडस्लाइड, जम्मू-कश्मीर में चट्टान गिरने से अफसर-बेटे की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पहाड़ों पर मानसून की बारिश आफत लेकर आई है। हिमाचल प्रदेश में लगातार बारिश से शनिवार सुबह मनाली में लैंडस्लाइड हुई। इससे चंडीगढ़-मनाली-लेह नेशनल हाईवेऔर सोलंगनाला से अटल टनल की ओर जाने वाला रास्ता बंद है। पिछले 3 दिन की भारी बारिश से कुल 289 सड़कें प्रभावित हुई हैं। जम्मू-कश्मीर में भी लगातार बारिश जारी है।

कल रात रियासी जिले में एक सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) की कार लैंडस्लाइड की चपेट में आ गई। उनकी कार पर अचानक चट्टान गिर गई। हादसे में स्ठरू और उनके बेटे की मौत हो गई। उनकी पत्नी और दो अन्य लोग घायल हो गए। भारी बारिश के कारण अमरनाथ यात्रा भी 3 अगस्त तक रोक दी गई है। यात्रा के दोनों मार्गों पहलगाम और बालटाल पर मरम्मत का काम जारी है। बीते दिन सुबह बालटाल रूट से यात्रा शुरू की गई थी, लेकिन बाद में बारिश के चलते यात्रा रोक दी गई।

यूपी समेत 19 राज्यों में अलर्ट

मौसम विभाग ने शनिवार को असम, मेघालय, सिक्किम, पश्चिम बंगाल में बारिश का रेड अलर्ट और बिहार, अरुणाचल प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इनके अलावा यूपी के बुंदेल खंड मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली समेत 19 राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।